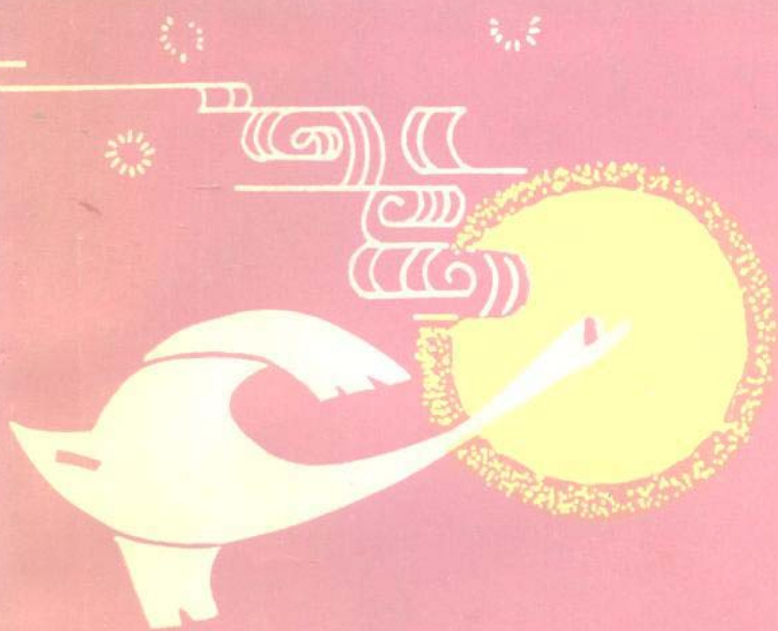




申 江 编

谜语大全

续 集

谜语大全

(续集)

申江编

湖南文艺出版社

谜 语 大 全

(续 集)

申 江 编

责任编辑：李本初

*

湖 南 文 艺 出 版 社 出 版

(长沙市展览馆路14号)

湖南省新华书店发行 湖南省望城县湘江印刷厂印刷

*

1986年2月新第1版第1次印刷

字数：163,000 印张：8 印数：1—20,600

书号：10456·19 定价：1.05元

湘艺：85—3 1.25

62236

前 言

《谜语大全》出版发行后，不少同志希望出版续集。为了满足广大谜语爱好者的要求，我经过两年时间的搜集、整理、加工，编出了这本《谜语大全》续集。

《谜语大全》续集所收的谜语数量，与正集大致相等，计三千条以上。在内容方面，增加了正集所缺少的一些品种。续集的分类，与正集差不多，这是为了保持全书体例的一贯性。正集中的人体、自然、工交、农业、军事等部分，新谜条不多，故不再单列，归并到其他部分中去了。这次增设的新类目，计有词语、歇后语谜、影剧名、诗词、古文、填空谜、画谜、谜语故事、趣味谜等。在正集中分别编入各类的带谜格的谜语，这次也单列为一类。这样，续集的谜语共分二十五类，比正集增加了五类。我希望通过这样的调整，使续集在内容和分类上比正集更“全”一些。

续集收入的谜语，一部分选自各地出版的报纸杂志，一部分选自各种谜书，一部分则是我自己制作的。在此，谨向被收入本书的谜语的搜集者和制作者表示谢意！

在续集编辑过程中，王洪斌同志和陆克勤同志不仅给予热情支持，而且寄来了自己搜集的谜语资料供我参考，表现了谜语爱好者之间的友好情谊。雷刚同志在百忙中为我审阅了部分

DK93/29

书稿，提出了不少宝贵意见。湖南人民出版社的同志为续集的编辑出版提供了许多方便条件。在此，我谨向这些同志表示衷心的感谢！

《谜语大全》续集的出版，使这部谜语选集向“大全”的方向又前进了一步。但是，由于我国谜语多得不可胜数，近几年来群众新创制的谜语也越来越多，所以，尽管我作了一定的努力，收入本书的谜语数量和质量都是很不够的，离真正的“大全”仍有很大距离。现在称之为“大全”，也还是相对而言。对于本书中存在的缺点错误，亟盼读者不吝指正，我将在今后加以修订改正，俾使本书在各方面逐步完善起来。

申 江

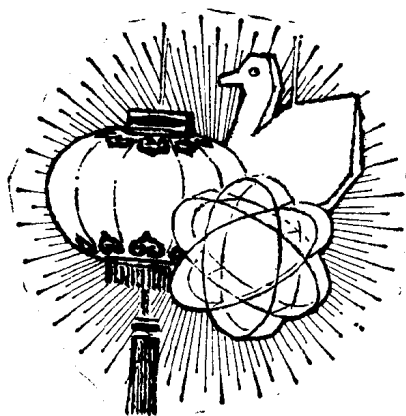
一九八三年五月于北京

目 录

字	谜 (508则)	(1)
成	语 (457则)	(17)
词	语 (144则)	(29)
歇后语	谜 (45则)	(35)
人	名 (200则)	(37)
书刊	名 (140则)	(45)
影剧	名 (290则)	(51)
古	文 (56则)	(59)
诗	词 (100则)	(63)
中国地理	(125则)	(67)
外国地理	(35则)	(75)
动	物 (60则)	(77)
植	物 (112则)	(83)
中	药 名 (74则)	(91)

常	用	物 (67 则)	(95)
文		体 (35 则)	(101)
科		技 (122则)	(105)
艺		术 (85 则)	(111)
射	覆	谜 (38 则)	(115)
画		谜 (10 则)	(123)
填	空	谜 (41 则)	(129)
谜	语	故 事 (15 则)	(143)
趣	味	谜 (100则)	(151)
带	格	谜 (170则)	(157)
综		合 (40 则)	(167)
谜		底	(173)

字 谜



(以下各打字一)

- | | |
|--------|--------|
| 1.日。 | 24.泥峰。 |
| 2.目。 | 25.祝福。 |
| 3.灰。 | 26.烟缸。 |
| 4.众。 | 27.晚会。 |
| 5.另。 | 28.瑞士。 |
| 6.思。 | 29.粮食。 |
| 7.屋。 | 30.假名。 |
| 8.潜。 | 31.航道。 |
| 9.蝗。 | 32.前哨。 |
| 10.鞘。 | 33.渔民。 |
| 11.大厦。 | 34.内因。 |
| 12.水库。 | 35.默算。 |
| 13.丰收。 | 36.默读。 |
| 14.丹朱。 | 37.松涛。 |
| 15.丹江。 | 38.围棋。 |
| 16.干涉。 | 39.春联。 |
| 17.西施。 | 40.射箭。 |
| 18.东施。 | 41.岳父。 |
| 19.书签。 | 42.走之。 |
| 20.血盆。 | 43.海枯。 |
| 21.早上。 | 44.田边。 |
| 22.利川。 | 45.竖杆。 |
| 23.和局。 | 46.二角。 |
| | 47.圣旨。 |

- | | |
|----------|----------|
| 48. 换哨。 | 72. 小猪崽。 |
| 49. 找泉。 | 73. 十二月。 |
| 50. 干沙。 | 74. 旱天雷。 |
| 51. 凡点。 | 75. 热处理。 |
| 52. 枯泉。 | 76. 不要走。 |
| 53. 乌狗。 | 77. 半导体。 |
| 54. 次子。 | 78. 关帝庙。 |
| 55. 老友。 | 79. 好读书。 |
| 56. 接客。 | 80. 雁双飞。 |
| 57. 自己。 | 81. 单人床。 |
| 58. 登陆。 | 82. 神农架。 |
| 59. 地表。 | 83. 抽水泵。 |
| 60. 朝阳。 | 84. 画中人。 |
| 61. 贤妇。 | 85. 绊脚石。 |
| 62. 塞听。 | 86. 高尔基。 |
| 63. 和尚。 | 87. 他也去。 |
| 64. 独生子。 | 88. 不是我。 |
| 65. 一会儿。 | 89. 鸟少点。 |
| 66. 老太太。 | 90. 庄稼汉。 |
| 67. 一点水。 | 91. 驱蛔虫。 |
| 68. 二月平。 | 92. 讨服装。 |
| 69. 两万里。 | 93. 剩十升。 |
| 70. 三叉口。 | 94. 第四面。 |
| 71. 十加十。 | 95. 长明灯。 |

- | | |
|-----------|-----------|
| 96.灯笼罩。 | 120.黍稷盈畴。 |
| 97.力不足。 | 121.公而无私。 |
| 98.宁波话。 | 122.层峦叠翠。 |
| 99.苏州话。 | 123.雨下植树。 |
| 100.成都话。 | 124.说话不停。 |
| 101.羊离群。 | 125.享乐在后。 |
| 102.位置差。 | 126.路旁种树。 |
| 103.逃走了。 | 127.捐弃前嫌。 |
| 104.一乘一。 | 128.此路不通。 |
| 105.谈妥了。 | 129.酒不沾边。 |
| 106.六除二。 | 130.两点半钟。 |
| 107.高个子。 | 131.负隅顽抗。 |
| 108.语言美。 | 132.先斩后奏。 |
| 109.邮递者。 | 133.如愿以偿。 |
| 110.霜雪斗艳。 | 134.步调一致。 |
| 111.民间疗法。 | 135.良药苦口。 |
| 112.指东话西。 | 136.春末夏初。 |
| 113.集中一点。 | 137.冬初秋末。 |
| 114.横扫群魔。 | 138.包头界首。 |
| 115.分崩离析。 | 139.古文观止。 |
| 116.半朋半友。 | 140.争先恐后。 |
| 117.有功有赏。 | 141.百无一失。 |
| 118.调整经济。 | 142.不知西东。 |
| 119.由上转下。 | 143.上下一体。 |

144. 二中全会。
145. 村里安身。
146. 推开又来。
147. 握手言别。
148. 上下机动。
149. 先先后后。
150. 江东二乔。
151. 衣帽相连。
152. 九曲长流。
153. 坐井观天。
154. 绣花枕头。
155. 《茶馆》作者。
156. 有说有唱。
157. 连声谢绝。
158. 临时协议。
159. 孟姜心愿。
160. 荆轲出使。
161. 小心翼翼。
162. 七百除一。
163. 减二得四。
164. 并无两点。
165. 自我介绍。
166. 一昼一夜。
167. 左右换防。
168. 两个半月。
169. 白玉无瑕。
170. 白璧无瑕。
171. 转业到厂。
172. 劲头不足。
173. 愧不用心。
174. 烟中无火。
175. 打手出界。
176. 独具匠心。
177. 欲诉无言。
178. 伯乐所相。
179. 无头奇案。
180. 海流无水。
181. 偏听偏信。
182. 可上可下。
183. 夜观天象。
184. 讳疾忌医。
185. 蚕的功能。
186. 不对不对。
187. 摄影入门。
188. 大有可为。
189. 林海无边。
190. 夫妻“八助”。
191. 毛遂自荐。

192. 拥挤不堪。
193. 九星联珠。
194. 春节未到。
195. 望文释义。
196. 气吞山河。
197. 解闷散心。
198. 拂晓有雨。
199. 甘心转化。
200. 心怀宝岛。
201. 庄里庄外。
202. 妇人戴帽。
203. 古字演变。
204. 先予后取。
205. 一举而成。
206. 又进一球。
207. 三山颠倒。
208. 上上下下。
209. 月落鸟啼。
210. 前前后后。
211. 加加减减。
212. 公字当头。
213. 断断续续。
214. 四化前程。
215. 垫上运动。
216. 单人拦网。
217. 双杠登山。
218. 闲话养猪。
219. 双方插云。
220. 画兔点睛。
221. 南天一柱。
222. 毫不利己。
223. 礼貌待人。
224. 接济朋友。
225. 熙熙攘攘。
226. 莫赞自己。
227. 沐猴而冠。
228. 双方用力。
229. 一生当园丁。
230. 一个有心人。
231. 一二三五六。
232. 一人三分地。
233. 一点盘山道。
234. 一去就挂帅。
235. 一来就不好。
236. 一寸少一点。
237. 人在阳光下。
238. 人残心不残。
239. 人须走边道。

240. 出言带“请”字。
241. 约我至田家。
242. 江水纵横流。
243. 连山到海隅。
244. 太少了点了。
245. 千古一扁舟。
246. 倒数是十一。
247. 春风吹又生。
248. 前程更美好。
249. 明天日全食。
250. 弹琴复长啸。
251. 桃李满天下。
252. 铸成千古恨。
253. 向左一直去。
254. 弓箭未上弦。
255. 锄禾日当午。
256. 河依宝塔山。
257. 实现大统一。
258. 个个不落后。
259. 傍晚的太阳。
260. 国庆迎朝阳。
261. 寸草沐春晖。
262. 骨肉兄弟情。
263. 佳节又重阳。
264. 宿鸟恋本枝。
265. 日月一齐来。
266. 进水行不成。
267. 双人走钢丝。
268. 每户种上花。
269. 言行必一致。
270. 积水而为海。
271. 迷信害死人。
272. 香山一日游。
273. 太阳系研究。
274. 二直又二直。
275. 比二多一半。
276. 四十八小时。
277. 饥者不得食。
278. 为我一挥手。
279. 日高花影重。
280. 古寺倚修竹。
281. 多一点就圆。
282. 要多多协作。
283. 掩耳厌喧哗。
284. 庄稼一片黄。
285. 月上也有地。
286. 一撇一直一点。
287. 一竖一边一点。

288. 三人匍匐前进。
289. 七十二家房客。
290. 后羿介绍经验。
291. 投资要有侧重。
292. 离周围一样远。
293. 此谜无人猜中。
294. 水大可以发电。
295. 两口儿同入京。
296. 竖子不足为谋。
297. 人在画堂深处。
298. 包公案上下集。
299. 左十八右十一。
300. 学后应知不足。
301. 要中间去下边。
302. 立春前雨水后。
303. 春节放假三天。
304. 姜一半葱一半。
305. 连日开展竞赛。
306. 笔帽不用套上。
307. 大压不正之风。
308. 春一半夏一半。
309. 神女峰的传说。
310. 一直持之以恒。
311. 不是门，却是门。

312. 旭日升，柳半垂。
313. 劳动去，莫停留。
314. 半学习，半观察。
315. 加把力，就成功。
316. 加三横，变三天。
317. 二横大，二横小。
318. 使左边，成右边。
319. 想生财，要聚才。
320. 一日之计在于晨。
321. 一半勾留是此湖。
322. 一钩残月带三星。
323. 一弯新月临窗前。
324. 一十一比一十一。
325. 心怀天下献丹心。
326. 二四六八十相加。
327. 心不着急边上走。
328. 三颗疏星映扁舟。
329. 二人同去一人归。
330. 四周山色隐画里。
331. 四方团结共一心。
332. 伍子胥兄弟争嘴。
333. 八一南昌迎朝阳。
334. 瀑布纵横挂前川。
335. 寸土深翻靠耕牛。

336. 关云长刮骨疗毒。
337. 流水已尽见顽石。
338. 点水蜻蜓款款飞。
339. 儿女相逢泪两行。
340. 抽刀断水水更流。
341. 正见夕阳海边落。
342. 织女鹊桥会牛郎。
343. 把一生献给后生。
344. 前前后后一颗心。
345. 塞北千里雁阵斜。
346. 海峡两边是一家。
347. 全力以赴方成功。
348. 为人立言勿浮夸。
349. 心有余而力不足。
350. 白头蓝底红全身。
351. 风雨空中雁阵斜。
352. 儿童一一入了队。
353. 除夕来日春日近。
354. 及早自立谱新篇。
355. 无人无牛不及犁。
356. 屋顶微露三山间。
357. 上一环接下一环。
358. 东边日出西边雨。
359. 靠边一点一直走。
360. 人面桃花相映红。
361. 春雨潇潇报平安。
362. 连峰去天不盈尺。
363. 车旁站着喜旺嫂。
364. 敢将十指夸针巧。
365. 河边砌圈养肥猪。
366. 大李小李和老李。
367. 山里处处猪满圈。
368. 除非减一就得零。
369. 陶冶己心向崇高。
370. 断桥垂露滴梧桐。
371. 两人隔江望断水。
372. 以行动代替语言。
373. 堤边添上丝丝柳。
374. 挖多少就大多少。
375. 树头雁阵入画中。
376. 门里梁下有鸟栖。
377. 秃笔画蛇错点睛。
378. 总有一天光明会来到。
379. 明日未来，
 昨日已去。
380. 一度满足，
 进步就慢。
381. 又聋又哑，

- 不闻不问。
- 382.聚金成塔，
兴旺发达。
- 383.由头到尾，
由上到下。
- 384.洪泽湖畔，
碧波千顷。
- 385.莫等来日，
虽晚未迟。
- 386.枫林风光，
林木茂盛。
- 387.斜月残灯，
半明半灭。
- 388.又在左边，
又在右边。
- 389.三个去尾，
一个去头。
- 390.广阔天地，
大有作为。
- 391.洞中有洞，
孔中有孔。
- 392.连日下雨，
田地水足。
- 393.加上一直，

- 减少一点。
- 394.从上至下，
广为团结。
- 395.有借有还，
再借不难。
- 396.大河上下，
顿失滔滔。
- 397.加劲劳动，
个个有份。
- 398.互相扯皮，
必须制止。
- 399.如苗得雨，
似花初开。
- 400.写好宝盖，
联成文字。
- 401.写是水少，
说是水多。
- 402.双方协作，
内外结合。
- 403.山上山下，
绿草茵茵。
- 404.组织庞大，
机构臃肿。
- 405.岚山风光，